स्टर भी उस पर स्टेटमेंट देंगे । कल के लिए मैंने कालिंग अटेंशन रखा है ।

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : मेरा प्वाएंट आफ आर्डर है (व्यवधान) मैंने जो 388 के तहत में नोटिस दिया है, उसका क्या फेट हुआ ? (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य मन्डल कमीशन की रिपोर्ट....

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Not allowed. I did not admit it.

*(Interruptions)***

अध्यक्ष महोदय : एक बार नहीं, मैं बार बार कहता हूं कि मैंने जो कभी कहा है उस से मैं कभी मुन्किर नहीं हुआ हूं। जिसके बारे में यहां हाउस में अश्योरेंस दी गई है वह इसी सत्र में लिया जाएगा । अगर वह नहीं लिया जाएगा तो मैं उस पर डिस्कशन अलाऊ करूंगा । This is my job.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको बार बार इस पर चिंता क्यों होनी चाहिए ?

Why should you worry about it? I will take care of it.

(व्यवधान)

श्री आर० एन० राकेश : इस हाउस में वाक आउट का भी एक्सपंज कर दिया ....

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing is to be discussed. You can come to my Chamber. I don't allow it. It is all right. Please sit down now.

*(Interruptions)***

MR. SPEAKER: Nothing will go on record without my permission.

*(Interruptions)***

## ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

### Parcel Offices

*711. SHRI MANGAL RAM PREMI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it has come to the notice of Government that parcel offices have been indicating the weight of the goods booked by them less than the actuals; and

(b) if so, details thereof together with action taken thereon besides the preventive measures for future?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) No, Sir. However, as a result of re-weighments, which are conducted as a matter of routine, cases of under-weighment are detected and undercharges as due, are realised. Wherever complicity of staff is established, suitable disciplinary action is also taken.

श्री मंगल राम प्रेमी : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि क्या यह बात सच है कि आज तक पार्सलों का जो भार कम होता रहा है, उसके लिए क्या कार्यवाही की गई है और इस से सम्बन्धित ब्यौरा क्या है ? इसके साथ ही इस मामले में क्या कार्यवाही को गई है ?

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, कुछ समय पूर्व कुछ स्टेशनों पर कम वजन का कन्साइनमेंट डैस्टिनेशन को चला गया, उस वक्त हमारे इन्सपैक्टर्स, एकाउण्ट्स आफिसर उसको इन्सपैक्ट करते हैं, जो पकड़ते हैं, उसके खिलाफ डिसिप्लिनरी एक्शन लेते हैं और चार्ज-शीट करते हैं । इस तरह से 6,432 अण्डरवेमेण्ट के केसेज नोटिस में आए हैं और इस सम्बन्ध में कार्यवाही भी की गई है ।

---

**Not recorded.

**श्री मंगल राम प्रेमी :** मान्यवर, इसका मतलब यह है कि मंत्री जी के कहने के उपरान्त यह मामला सही है ।

**अध्यक्ष महोदय :** पहले ठीक नहीं था ।

**श्री मंगल राम प्रेमी :** मंत्री जी के उत्तर से ऐसा मालूम होता है कि वे भी मानते हैं कि यह मामला होता रहा है । मान्यवर, मंत्री जी क्या बतायेंगे कि इससे जो आज तक हेरा-फेरी होती रही है उससे सरकार को कितना नुकसान हुआ है और पार्सल के करने वाले और कर्मचारी को कितना लाभ हुआ है ?

**श्री मल्लिकार्जुन :** मान्यवर, कितना नुकसान हुआ है, यह बताना मुश्किल है ।

**अध्यक्ष महोदय :** प्रेमी जी कितने प्रेम से सवाल कर रहे हैं और आप कह रहे हैं कि मुश्किल है ।

**श्री मल्लिकार्जुन :** किन्तु इन चीजों को रोकने के लिए हमेशा सख्त कार्यवाही की जाती है ।

**श्री मूलचन्द डागा :** अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री जी ने बताया कि 6,432 केसेज पकड़े गए हैं और चार्जशीट किए हैं । लेकिन सवाल यह है कि आपने कितने लोगों को सजा दी है और कितने लोगों का सर्विस से डिसमिस किया है और कब चार्जशीट किया है ?

**श्री मल्लिकार्जुन :** मान्यवर, हर साल 550 लाख पार्सल एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर किया जाता है । यह बात सही है कि इस तरीके से नहीं होना चाहिए, किन्तु हमारे कर्मचारियों के मिलने के कारण इस तरीके से हुआ है । इन लोगों को जैसे ही चार्जशीट की रिपोर्ट आती है, उस पर कार्यवाही की जाती है । कुछ लोगों को इम्मिडिएटली ट्रांस्फर भी किया गया है और जिस की वजह से कोई ज्यादा लॉस नहीं है । जहां अण्डर-वेट का पता लग गया, वहां चार्जेज, रिकवर कर लिए हैं, और उनकी गलती के अनुसार उनका जो सजा दी जानी है, वह दी जाएगी, लेकिन अण्डर चार्जेज का सब पैसा वसूल कर लिया गया है ।

**Efforts made by non-aligned committee to end Iran-Iraq conflict**

+

*712. SHRI G. M. BANATWALLA:
SHRI CHITTA BASU:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether he has recently attended the non-aligned ministerial committee meeting held in Geneva; and

(b) if so, the outcome of issues discussed and progress if any made in resolving the Iran-Iraq war and bringing a cessation of hostilities?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) I attended a meeting of the Non-aligned ministerial Committee on Iraq-Iran conflict on March 7, 1982 in Geneva.

(b) At this meeting, the Committee assessed recent developments and decided to continue its discussions in Kuwait later during the special meeting of the Non-Aligned Coordinating Bureau on the Palestine question. The Committee held several meetings in Kuwait from April 6 to 9 and also held separate discussions with the Foreign Ministers of Iran and Iraq. The Committee thereafter decided to undertake another visit to Iran and Iraq from April 10th onwards.

The visits have just concluded and we are awaiting fuller reports of the discussions during the visits.